लीची अनुसंधान केंद्र. भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने की कोर्स शुरू करने की अनुशंसा

प्लांटेशन मैनेजमेंट की होगी पढ़ाई

- जैविक खेती पर सर्टिफिकेट व प्लांटेशन मैनेजमेंट में डिप्लोमा करेंगे छात्र
- इग्नू के क्षेत्रीय कार्यालय दरभंगा ने खोला अपना स्टडी सेंटर, यहां के 15 वैज्ञानिक इन कोर्सों में छात्रों को बनायेंगे दक्ष

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र में जैविक खेती व पौधा प्रबंधन पाठ्यक्रम शुरू किया गया है. इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय ने दोनों कोर्स के पठन-पाठन की शुरुआत यहां से की है. भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से अनुशंसा मिलने के बाद राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र, मुशहरी में मंगलवार को इन दोनों कोर्स को शुरू कर दिया गया है. इंदिरा गांधी मुक्त विश्विद्यालय के क्षेत्रीय निदेशक डॉ श्रवण कुमार पांडेय व राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र के निदेशक डॉ विशालनाथ ने बताया कि

कार्यक्रम में मौजूद निदेशक डॉ विशालनाथ और डॉ श्रवण कुमार पांडेय.

जैविक खेती पर प्रमाण पत्र व प्लांटेशन मैनेजमेंट पर डिप्लोमा कोर्स का प्रारंभ किया गया. यह कोर्स क्रमशः छह महीने व एक वर्ष का होगा.

इग्नू क्षेत्रीय कार्यालय दरभंगा के उपनिदेशक डॉ श्रवण कुमार पांडेय ने बताया कि हाल के वर्षों में इग्नू ऐसे अभ्यर्थियों, जो काम करते हुए कृषि के नये आयामों को जानने की इच्छा रखते हैं, उनके लिए यह एक सुनहरा अवसर है. डॉ पांडेय ने बताया कि मुक्त विवि 43 देशों में यह कार्यक्रम चला रहा है. इससे लगभग 30 लाख विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं. हमारे देश में मुक्त विवि के 67 क्षेत्रीय केंद्रव लगभग सात हजार ऐसे उपकेंद्र हैं. इनके माध्यम से अनेक कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं. कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्र के निदेशक डॉ विशाल नाथ ने की. उन्होंने कहा, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने इसकी मंजूरी दे दी है. यहां पर मौजूद 15 वैज्ञानिक इस कोर्स के छात्रों को पढ़ायेंगे. लीची केंद्र पर डॉ राम किशोर पटेल कार्यक्रम समन्वयक होंगे. इनसे संपर्क करके इसकी विस्तृत जानकारी व प्रवेश लिया जा सकता है. इस अवसर पर केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक डॉ शेषधर पांडेय, डॉ राजेश कुमार व डॉ सुशील कुमार पूर्वे सहित अनेक अधिकारी एवं वैज्ञानिक उपस्थित थे.